प्रभात खबर

तीसरी बार
टिकोला ह

प्रभात खबर
मुजफ्फरपुर, शनिवार, 02.03.2024

डॉ अनिल कुमार
प्रधान वैज्ञानिक, केविके सरैया

डॉ रजनीश कुमार
वैज्ञानिक, केविके सरैया

मंजर आने के साथ कीटों से बचाव के लिये दवा का छिड़काव जरूरी

आम के मंजरों का करें स्वास्थ्य प्रबंधन, अच्छी होगी पैदावार

फरवरी महीने के शुरुआत से ही आम के पेड़ में मंजर आना शुरू हो गया है, इसलिए किसानों को अच्छा उत्पादन पाने के लिए अभी से देखभाल करनी चाहिए. अगर किसानों से अभी चूक हो जाती है तो आम के मंजर में कीट और रोग लग जाते हैं. जिससे फसल बर्बाद हो जाती है. ऐसे में आम में मंजर लगने के दौरान उसकी सही से देखभाल करना जरूरी है. आइये जानते है कि मंजर लगने के दौरान आम में कौन से रोग लग सकते हैं और उन्हे किस तरह से बचाया जा सकता है.

मंजर लगने के बाद कीटनाशक का छिड़काव नहीं

स समय पेड़ों पर मंजर लगा हो या खिल गया हो, उस समय किसी भी टनाशक दवा का छिड़काव नहीं करना चाहिए, क्योंकि इसका परागण वा या मधुमक्खियों के द्वारा होता है . अगर पुष्पा अवस्था में कीटनाशक ा छिड़काव कर दिया तो मधुमक्खियां मर जाएंगी और मंजर र छिड़काव से नमी होने के कारण परागण ठीक से नहीं हो एगा जिससे फल बहुत कम आएंगे . इस बार आम में मंजर फी आए हैं . किसान काफी खुश है . आम की खेती करने ले किसान अगर आम का बेहतर उत्पादन चाहते हैं तो अभी ही आम की फसल की देखभाल कर बेहतर उत्पादन ा लाभ उठा सकते है . इसके लिए आम के मंजर पर म के तेल का छिड़काव करें, ताकि मंजर झड़ने जैसी मस्या उत्पन्न ना हो . वहीं बेहतर उत्पादन के लिए दवा छिड़काव के साथ आम के पेड़ के समीप खरपतवार ी साफ-सफाई मंजर आने से पूर्व ही कर लें . अच्छे म की पैदावार के लिए कृषि विशेषज्ञ से भी सलाह कर छिड़काव कर सकते हैं . आम के बगीचे में नमी ाए रखें . आम के पेड़ में पर्याप्त व नियमित रूप मंजर आने पर फल फूल को नियंत्रित करने जैविक विधि से उपचार के अलावा हार्मोन ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए स पर खास ध्यान दें . वहीं बगीचे में ी भी बनाए रखें, ताकि पर्याप्त ल जड़ों को मिल सके . फफूंद शक दवाई सलफैक्स और ीलाक्लोराइड दोनों को लाकर पेड़ में छिड़काव रें . इसके छिड़काव से म में आ रहे मंजर को तर देखभाल गी . अगर पेड़ मंजर आ चुका है किसान भूल कर भी जहरीली रासायनिक ार्थ का छिड़काव नहीं करें . हरीली रासायनिक ार्थ के छिड़काव से ल भी जहरीली ने की संभावना ती है .

कीट लग गये तो फसल हो जायेगी बर्बाद

आम के मंजर में भुनगा कीट से अधिक नुकसान होता है . इसके लिये विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है . भुनगा के शिशु व वयस्क कीट कोमल पत्तियों और पुष्पक्रमों का रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं . मादा कीट 100-200 तक अंडे नई पत्तियों और मुलायम प्ररोह में देती है और इनका जीवन चक्र 12 से 22 दिनों में पूरा हो जाता है . इसका प्रकोप जनवरी-फरवरी से शुरू हो जाता है . आम में मंजर लगने के दौरान उन पर मथुआ कीट (मैंगो हॉपर), दहिया कीट (मिलीबग), पाउडरी मिल्ड्यू और एन्थ्रेकनोज जैसे कीट और रोग पाया जाता है . इन रोगों से मंजर को बचाने के लिए तीन प्रकार के छिड़काव की जरुरत होती है . किसानों को अपने आम के मंजर और फल को बर्बाद होने और नुकसान से बचाने के लिए कीटनाशकों का प्रयोग करना चाहिये . उन्हें इमिडाक्लोप्रिड, मालाथियान, डायमेथोएट, एसीफेट, और थायोमेथाक्साम आदि . फफूंदीनाशक कीटों के लिए सल्फर, कॉपर ऑक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम और हेक्साकोनाजोल दवा का छिड़काव करना चाहिये .

कीट से बचाव के लिए कब-कब करें छिड़काव

कब करें पहला छिड़काव

आम के पेड़ पर पहला छिड़काव मंजर निकलने के पहले किसी एक अनुशंसित कीटनाशक के साथ छिड़काव किया जाता है . इस पर छिड़काव ऐसे किया जाता है कि पेड़ की छाल के दरारों में छुपे मथुआ कीट तक पहुंच सके . क्योंकि यह कीट वायुमंडल का तापमान बढ़ने के साथ ही अपनी संख्या में वृद्धि करने लगते हैं .

कब करें दूसरा छिड़काव

आम के मंजरों में मटर के जितना दाना लग जाने पर कीटनाशक के साथ किसी एक फफूंद नाशी को मिलाकर छिड़काव करने से मंजर को पाउडरी मिल्ड्यू और एन्थ्रेकनोज जैसे रोगों से बचाया जा सकता है . साथ ही इसके घोल में अल्फा नेपथाईल एसीटिक एसीड (पीजीआर) मिलाया जाता है . जो मंजर में लगे फलों को गिरने से रोकता है .

कब करें तीसरी छिड़काव

आम के मंजर में जब टिकोला लग जाए तब उस पर तीसरा छिड़काव किया जाता है . तीसरे छिड़काव में कीटनाशक के साथ अल्फा नेपथाईल एसीटिक एसिड के अलावा आवश्यकतानुसार फफूंद नाशी को मिलाकर छिड़काव किया जाता है . जो दहिया कीट लगने से बचाता है .

अपनाएं ये तरीका

- बाग की नियमित साफ-सफाई करनी चाहिए .
- कीट के ग्रस्त पत्तियों और टहनियों को काटकर जला देना चाहिए .
- अगर पुष्पा अवस्था में कीटनाशक का छिड़काव कर दिया तो मधुमक्खियां मर जाएंगी
- आवश्यकतानुसार फफूंद नाशी को मिलाकर छिड़काव किया जाता है
- अगर पेड़ में मंजर आ चुका है तो किसान भूल कर भी जहरीली रासायनिक पदार्थ का छिड़काव नहीं करें
- मंजर और फल को बर्बाद होने और नुकसान से बचाने के लिए कीटनाशकों का प्रयोग करना चाहिये

ऐसे करें जैविक विधि से उपचार

आम के मंजरों का जैविक विधि से उपचार कर पर्याप्त मात्रा में फल प्राप्त किया जा सकता है . इसके लिए नीम का 15 पीपीएम क्षमता वाले 5 एमएल तेल को पांच 5 लीटर पानी में घोलकर पहली बार मंजर निकलने के समय उस पर छिड़काव करें . दूसरी बार सरसों के बराबर टिकोला होने पर व तीसरी बार मटर के दाने के आकार का टिकोला होने पर छिड़काव करें . इस तरह छिड़काव कर टिकोला को और नुकसान से बचाया जा सकता है .